साप्ताहिक
नर्मदा समय
Website: www.narmadasamay.com
Email: narmadasamay@gmail.com
Title Code:-MPHIN/36648
संपादक-प्रताप सिंह वर्मा
वर्षः 01, अंकः 25 | इटारसी, सोमवार 29 मई से 04 जून 2023 | पृष्ठ-04 | मूल्यः 05 रुपए

महाकाल लोक की तर्ज पर बनेगा सलकनपुर में देवी लोक

देवी लोक महोत्सव के लिए रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया देवी विजयासन का भव्य दरबार

देवी लोक महोत्सव में तीन दिन तक होंगे अनेक सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रम

नर्मदा समय

नर्मदापुरम। सीहोर जिले में स्थित देवी धाम सलकनपुर में 29 मई से 31 मई तक तीन दिवसीय देवी लोक महोत्सव मनाया जाएगा। इस दौरान सलकनपुर में अनेक धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। देवीलोक महोत्सव के मुख्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान शामिल होंगे और महाकाल लोक की तर्ज पर सलकनपुर में बनने जा रहे देवी लोक की आधारशिला रखेंगे। सलकनपुर में आयोजित होने वाले इस देवी लोक महोत्सव के पूर्व गांव-गांव तथा शहरों में विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की जा रही है। देवी लोक महोत्सव को भव्य स्वरूप प्रदान करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही है।

देवी मंदिर एवं मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी विद्युत रोशनी से सजाया गया है। इस दौरान मंदिर, सीढ़ी मार्ग, वाहन मार्ग, विश्राम गृह, मंदिर परिसर में स्थित गार्डन तथा वृक्षों को भी विद्युत रोशनी से सजाया गया है। देवी लोक महोत्सव को लेकर लोगो में भी खासा उत्साह देखा जा रहा है। नागरिक अपने त्यौहारों की भाँति ही देवी लोक महोत्सव को भी हर्षोल्लास से मनाने के लिए ललाहित दिखाई दे रहे है। देवी लोक महोत्सव के प्रचार-प्रसार के लिए भ्रमण कर रहे प्रचार रथ के साथ बुजुर्गों तथा महिलाओं के साथ ही नन्हीं-नन्हीं बालिकाएं भी सिर पर देवी का कलश लिए और हाथों में मां के नाम की चुनरी लेकर यात्रा में शामिल हो रही है। सलकनपुर में बनने जा रहे इस देवी लोक की आधारशिला रखने वाले इस महोत्सव में शामिल होने के लिए नागरिकों के चेहरों पर खुशी की झलक दिखाई दे रही है।

31 मई को सलकनपुर में मुख्यमंत्री देवी लोक की रखेंगे आधारशिला

नर्मदापुरम। सुप्रसिद्ध देवीधाम सलकनपुर में देवी लोक महोत्सव के मुख्य कार्यक्रम 31 मई को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान शामिल होंगे तथा देवी लोक की आधारशिला रखेंगे। इस कार्यक्रम में नर्मदापुरम जिले से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित होंगे। कलेक्टर श्री सिंह ने बुधवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए देवी लोक महोत्सव कार्यक्रम की समीक्षा की। उन्होंने सभी जनपद सीईओ एवं सीएमओं को देवी लोक महोत्सव में जाने वाले श्रद्धालुओ के लिए व्यवस्थित कार्ययोजन बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी आवश्यक तैयारियां समयसीमा में पूर्ण की जाएं। बैठक में जिला पंचायत सीईओ , अपर कलेक्टर मनोज कुमार ठाकुर उपस्थित रहें। सभी एसडीएम , जनपद सीईओ एवं सीएमओ सहित अन्य अधिकारी वीसी की जरिए बैठक में शामिल हुए।

अखिल भारत हिंदू महासभा द्वारा वीर सावरकर जयंती हर्षोउल्लास के साथ मनाई

इटारसी। अखिल भारत हिन्दू महासभा मध्यप्रदेश नर्मदापुरम संभाग इटारसी द्वारा हिन्दू हृदय सम्राट प्रखर वीर सावरकर की जयंती जय स्तम्भ चौक पर मनाई गई । इस अवसर पर हिंदू महासभा के सदस्यों द्वारा पटाखे फोड़े गए एवं मिठाई बांटी गई। हिंदू महासभा मध्य प्रदेश सदस्यता प्रभारी कन्हैया रैकवार ने संबोधित करते हुए कहा कि वीर सावरकर जी के व्यक्तित्व से हमें प्रेरणा लेकर हिंदुत्व के लिए समर्पित होना आज के समय बेहद आवश्यक है और हिंदू राष्ट्र की संकल्पना को पूरी करने के लिए हम सभी को प्रतिबद्ध होना जरूरी है। जिला मंत्री ठाकुर भारत सिंह, संभागीय संगठन मंत्री डॉ प्रताप सिंह वर्मा, जिला सह मंत्री राजा प्रजापति, नगर उपाध्यक्ष आशीष प्रजापति, नगर सह मंत्री प्रमोद शर्मा, नगर मंत्री आकाश मेहरा, महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष सविता वर्मा, महिला मोर्चा जिला प्रमुख सारिका ठाकुर, नगर प्रमुख कार्यकारी सदस्य रूपेश मालवीय, महिला नगर कार्यकारिणी सदस्य मनोज भाट, महिला मोर्चा से मंजू सोनी, सविता मेहरा, प्रमुख सदस्य चमन सोनी, सिद्धार्थ चंदेल, अंकुश चौधरी, श्रेयांश चौहान, भानु मेहरा, विश्व दास एवं अनेकों कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

पैराडाइज स्कूल के दो छात्र नेशनल वालीबाल के लिए चयनित

बबलू निरापुरे/नर्मदा समय

आमला। स्थानीय पैराडाइज हायर सेकेंडरी स्कूल के दो छात्रों ने भोपाल में आयोजित स्कूल नेशनल वालीबाल ट्रायल में मध्यप्रदेश की टीम से नेशनल खेलने हेतु अपना स्थान सुनिश्चित किया है । विद्यालय के छात्र हिमांशु बारस्कर पिता श्री दिनेश बारस्कर तथा गगन रहड़वे पिता श्री प्रहलाद रहडवे ने मध्य प्रदेश की स्कूल वॉलीबॉल टीम में चयनित होकर आमला नगर, पैराडाइज स्कूल तथा अपने परिजनों का नाम रोशन किया है । उल्लेखनीय है की पूरे नर्मदापुरम संभाग से केवल ये दो छात्र ही प्रदेश की टीम में चयनित हुवे है । नेशनल के लिए मध्यप्रदेश की वॉलीबॉल टीम में चयनित होने पर दोनो होनहार छात्र को विद्यालय प्रबंधन द्वारा शुभकामनाएं दी गई है । विद्यालय के खेल शिक्षक श्री संदीप देवड़े के साथ ये दोनो 1 जून से भोपाल में आयोजित नेशनल वालीबाल कोचिंग कैंप में सम्मिलित होंगे । छात्रों के चयन होने पर स्कूल समिति के अध्यक्ष केजीपीजसिक्केवाल, सुनील करारे, प्रवीण दीघडे, लक्ष्य गुरनानी, राजेश नागले, अविकेश सातनकर, श्रीमती ममता पवार, श्रीमती पुष्पा पवार, श्रीमती आशा विश्वकर्मा, श्रीमती एम सांडे, श्रीमती मलिका पाल, कुमारी करुणा चौकीकर, ने बधाई दी है।

नशा मुक्ति से वर्तमान और भविष्य सुरक्षित होता है: विधायक

डॉ. सीतासरन शर्मा, रेशम केंद्र के पास नशा मुक्ति सह पुनर्वास केंद्र का शुभारंभ हुआ

नर्मदा पुरम

नर्मदापुरम। नशामुक्त भारत अभियान के तहत सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार, मध्यप्रदेश सरकार व जिला प्रशासन के सहयोग से रेशम केंद्र के पास संकल्प नशा मुक्ति सह पुनर्वास केंद्र का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक नर्मदापुरम डॉ. सीतासरन शर्मा ने शनिवार को फीता काटकर किया। इस मौके पर जनपद पंचायत के अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे, व्हीपी सिंह, सुरेश मालवीय, रितेश पासी, सन्नी मिश्रा, अनोखे राजोरिया, दोलत यादव, सहित अनेक शहरी व ग्रामीण जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। दीप प्रज्जवलन, महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण, सरस्वती वंदना, वंदे मातरम के गायन के साथ और अतिथियों के स्वागत से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इस अवसर पर विधायक डॉ. शर्मा ने कहा कि सार्वजनिक जीवन के दौरान अनेक बार देखने को मिलता है कि अनेक लोग नशे में लिप्त होकर नशे के आदि हो जाते हैं। उनके परिवार के लोग दुखी होते हैं। इसी कारण नशा मुक्ति केंद्र में लाना परिवार की मजबूरी हो जाती है। यहां सेवा केंद्र की शुरुआत होना बहुत अच्छी शुरुआत है। यहां पर निःशुल्क रूप से नशा मुक्ति का कार्य किया जाएगा। इसका लाभ अनेक लोगों को मिलेगा। यह नशा मुक्ति केंद्र ही नहीं शिक्षा और स्वास्थ्य केंद्र भी है। नशा मुक्ति से वर्तमान और भविष्य संरक्षित होता है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति के दौरान यहां पर अनेक गतिविधियां भी संचालित होंगी। मेरी ओर से शुभकामनाएं हैं यह केंद्र प्रदेश में सबसे अच्छा केंद्र बने।

जनपद अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे ने कहा कि नर्मदा निर्मिति केंद्र की गतिविधियां बंद होने के बाद इस स्थान पर नशा मुक्ति केंद्र की शुरुआत होना एक अच्छी पहल है। शहरी क्षेत्र के साथ ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को भी इस केंद्र का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि आधुनिकता के दौर में शहरी ही नहीं ग्रामीण अंचल में नशे की प्रवृत्ति बढ़ रही है। पहले छिप कर नशा करते थे। अब सरेआम नशा किया जा रहा है। खासकर बच्चे भी नशे की गिरफ्त में आ रहे हैं तब ऐसे केंद्र की आवश्यकता जरूरी हो गई है। नशा मुक्ति केंद्र के संचालक राहुल सिंह ने कहा कि नशा की प्रवृत्ति बढ़ रही है कई लोग अत्यधिक नशा करने लगते जिससे स्वयं तथा परिवार और कुल की प्रतिष्ठा धूमिल हो जाती है। तब नशा मुक्ति केंद्र में लाकर उन्हें पुनर्वास के माध्यम से अनेक गतिविधियां करते हुए नशा की प्रवृत्ति से दूर किया जाता है। कई लोग नशा मुक्ति केंद्र में पहुंच कर फिर से नए जीवन की शुरुआत कर चुके हैं। हमारा प्रयास रहेगा कि इस केंद्र के माध्यम से भी नशे में लिप्त लोगों को नशामुक्त किया जाए। इस मौके पर ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के अनेक लोग शामिल हुए। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन व्हीपी सिंह ने किया।

राष्ट्रीय महिला जागृति मंच नर्मदापुरम की शाखा को समाज सेवा के उत्कृष्ट कार्यों पर मिला सम्मान

नर्मदा समय/प्रदीप गुप्ता

नर्मदापुरम। मंच की अध्यक्ष नीरजा फौजदार ने बताया हम सब राष्ट्रीय संत आचार्य पुलक सागर महाराज जी के सानिध्य में विगत कई वर्षों से धार्मिक एंव सामाजिक कार्य कर रहै है गुरूवर के आशीर्वाद से ही हमको सम्मान प्राप्त हुआ। इंदौर में भव्य अधिवेशन का आयोजन किया गया। जिसमें नर्मदापुरम की राष्ट्रीय महिला जागृति मंच नर्मदापुरम को विशेष सम्मान से नवाजा गया। उनको सर्वश्रेष्ठ सेवा गतिविधि का सम्मान इंदौर के रविन्द्र नाट्य गिरह में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सभी राष्ट्रीय पदाधिकारीओं की उपस्थिति में अधिवेशन एंव सम्मान का कार्यक्रम आयोजित हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमति मीना झॉझरी, राष्ट्रीय संयोजक प्रदीप बड़जात्या, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष श्रीमति अनामिका बाटलीवॉय, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मनीष वोरवाल एंव प्रदेश एवं जोन 3 के सभी पदाधिकारियों के सानिध्य में आयोजन हुआ ओर सभी पदाधिकारियों के कर कमलों से सम्मान पत्र प्रदान किया गया।

सम्मान मंच की अध्यक्ष नीरजा फौजदार महामंत्री अनीता अरुण जैन, उपाध्यक्ष जयंती जैन , उपाध्यक्ष श्वेता जैन, सक्रिय सदस्य रेखा गोयल, मोनिषा जैन को प्रदान किया गया।नर्मदापुरम मंच के सभी सदस्यों ने एक दूसरे को बधाई प्रेषित की एवं सभी का आभार माना।

जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के विरूद्ध निरंतर कार्यवाही जारी

नर्मदापुरम। कलेक्टर नीरज कुमार सिंह के निर्देशानुसार जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के विरूद्ध निरंतर कार्यवाही जारी हैं। राजस्व, पुलिस एवं खनिज विभाग द्वारा संयुक्त रूप से कार्यवाही की जा रही हैं। जिला खनिज अधिकारी नर्मदापुरम दिवेश मरकाम ने बताया कि 25 मई को खनिज विभाग द्वारा नर्मदापुरम के ग्राम- बरण्डुआ में बिना नंबर की ट्रैक्टर ट्राली से रेत खनिज का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर जब्त कर पुलिस थाना देहात नर्मदापुरम, तह.व जिला-नर्मदापुरम की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया। इस प्रकार 24 मई को तहसीलदार माखननगर द्वारा ग्राम जावली में रेत खनिज के अवैध परिवहन करते हुए पाए जाने कर एक ट्रैक्टर ट्राली जब्त कर पुलिस थाना माखननगर, तह माखननगर, जिला-नर्मदापुरम की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया है। 23 मई को थाना प्रभारी, सिवनीमालवा द्वारा ग्राम- लोखरतलाई से ट्रैक्टर ट्राली जिसका वाहन क्रमांक- एम.पी. 05ए.एच.6256 को रेत खनिज के अवैध परिवहन करते हुए पाए जाने कर जब्त कर पुलिस थाना सिवनीमालवा, तह. सिवनीमालवा, जिला-नर्मदापुरम की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया है।

इतिहास का स्वर्णिम अध्याय

संपादकीय

भारत का मन उल्लास से भरा पूरा है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी नए संसद भवन का लोकार्पण कर रहे हैं। यह इतिहास का स्वर्णिम अध्याय होगा लेकिन भारतीय स्वाभिमान के इस अवसर पर भी लगभग देढ़ दर्जन राजनैतिक दल कार्यक्रम का बहिष्कार कर रहे हैं। वे राष्ट्रीय महत्व के इस अवसर पर भी अपनी राजनैतिक रोटियां सेंक रहे हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने इसे ओछी राजनीति बताया और कहा है कि, ''नया संसद भवन देश की सांस्कृतिक विरासत परंपरा व सभ्यता को आधुनिकता से जोड़ने का सुन्दर प्रयास है। इस ऐतिहासिक समारोह के साक्षी बनने के लिए सबको निमंत्रित किया गया है कि इस कार्यक्रम में सब लोग हिस्सा लें। उन्होंने कहा है कि इस कार्यक्रम को राजनीति से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। यह भारतीय परम्पराओं व आधुनिकता से जुड़ने का महान क्षण है। इस स्थान का इतिहास भी महत्वपूर्ण है। दिल्ली कई सदियों से सत्ता का प्रमुख केन्द्र रही है। ब्रिटिश सत्ता ने प्रारम्भ में अपनी राजधानी कलकत्ता में स्थापित की थी और बाद में दिल्ली। तत्कालीन शासक किंग जार्ज प्रथम ने 12 दिसंबर 1911 में इसकी आधारशिला रखी थी। ब्रिटिश वास्तुकार एडविन लुटियंस और अलबर्ट बेकर ने इस नए नगर की योजना बनाई थी। लगभग बीस वर्ष बाद योजना पूरी हुई। 13 फ़रवरी 1931 को दिल्ली को राजधानी घोषित किया गया था। नए भवन की अनेक विशिष्टताएँ हैं। नवनिर्मित संसद भवन में लोकसभा अध्यक्ष के आसन के पास 'सेंगोल' की स्थापना की जाएगी। यह पांच फिट लंबा चांदी से बना दण्ड है। इस पर सोने की पालिश है। आठवीं सदी के बाद से लगभग आठ सौ वर्ष तक चोल साम्राज्य था। चोल साम्राज्य में सत्ता का हस्तांतरण इसी 'सेंगोल' से होता था। विद्वान राजनेता सी. राजगोपालाचारी के सुझाव पर तमिलनाडु के तिरुवदुथुराई मठ ने इसे तैयार कराया था। इसके शीर्ष पर न्याय के रक्षक और प्रतीक नंदी अटल दृष्टि के साथ मौजूद हैं। चोल शिव उपासक थे। सेंगोल तमिल भाषा के शब्द सेम्मई से निकला है। इसका अर्थ धर्म निष्ठा और सच्चाई होता है। सेंगोल राजदण्ड भारतीय शासक की शक्ति और अधिकार का प्रतीक था। 14 अगस्त 1947 को पं. जवाहर लाल नेहरू ने तमिल नाडु की जनता से सेंगोल को स्वीकार किया था। ब्रिटिशों से सत्ता हस्तांतरण के लिए राजाजी ने चोल वंश के सत्ता हस्तांतरण से प्रेरणा लेने का सुझाव दिया। चोल वंश में एक राजा से दूसरे राजा को सत्ता सौंपते समय पुजारियों का आशीर्वाद लिया जाता था। सेंगोल का प्रतीकात्मक हस्तांतरण भी होता था। चोल राजवंश वास्तुकला और संस्कृति के संरक्षण में असाधारण योगदान के लिए प्रसिद्ध था। सी. राजगोपालाचारी के सुझाव के बाद तमिलनाडु के तिरुवदुथुराई मठ ने सेंगोल तैयार कराया था। पूरा भारत नए संसद भवन की खूबसूरती के साथ चोल साम्राज्य की प्राचीन परंपरा से भी जुड़ रहा है। संसद भारतीय संवैधानिक व्यवस्था की जीवमान सत्ता है। संसद के पास विधायी और संविधायी अधिकार हैं। भारत में ऋग्वेद के रचनाकाल के पहले से ही लोकतंत्र की धारा प्रवाहमान रही है। यहाँ देवताओं के सम्बंध में भी तर्क प्रतितर्क का वातावरण रहा है।

नवयुवकों की हो रही ट्रैपिंग, लग रहे रेप के आरोप : द यंग स्टोरी

डॉ प्रताप सिंह वर्मा

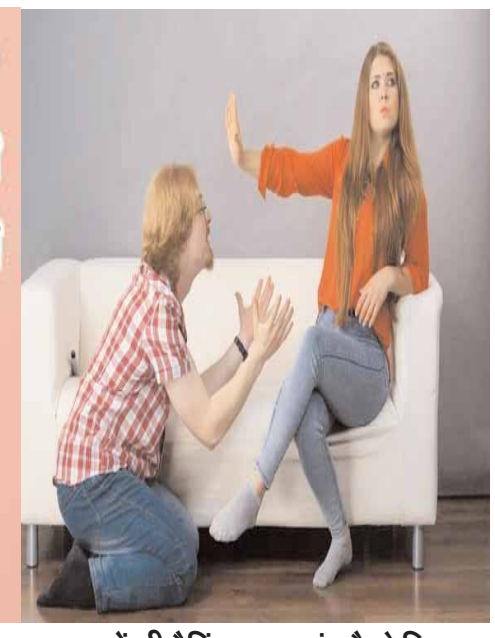

द यंग स्टोरी में बताया जा रहा हैं कि कमाई का जरिया आजकल ऐसा देखने को मिल रहा हैं जो हमें हमारी आत्मा को झकझोर देगा और मानवता को तार-तार कर देगा । जी हाँ आज हम नर्मदा समय में बता रहे हैं नवयुवकों की होने वाली ट्रैपिंग पर जो आजकल बहुतायत में रेप केस में फंसाने का नया व्यवसाय प्रारंभ कर चुकी हैं। इसमें किस प्रकार से नवयुवकों को युवतियों द्वारा ब्लैकमेल कर फसाया जाता है एवं अनाप-शनाप पैसा कमाया जाता है। इस सच्चाई पर लोगों का शासन का ध्यान आखिर क्यों नहीं जा रहा है। इस सच्चाई के पर्दे का फायदा उठाकर आपराधिक प्रवत्ति के लोग इसे एक सेफ लाभ वाले व्यवसाय के रूप में अपना रहे हैं। इन घटनाओं को लेकर पुलिस का रवैया हमेशा से लचीला होते आ रहा है । आइए अब हम विस्तृत रूप से जानते हैं यूथ ट्रैपिंग के बारे में:-

सोशल मीडिया सबसे बड़ा प्लेटफार्म

इन वारदातों करने के लिए ट्रैपर सोशल मीडिया को सर्वाधिक प्रयोग में लाते हैं। फेसबुक मैसेंजर, इंस्टाग्राम चैटिंग, व्हाट्सएप चैटिंग, डेटिंग एप, नॉन सिक्योर वेबसाइट, वीडियो कॉलिंग के माध्यम से यह अपना शिकार ढूंढते है।

युवकों की ट्रैपिंग के तीन नए प्रकार

1. सोशल मीडिया ऐप के माध्यम से ऑनलाइन वीडियो कॉलिंग करके अपने को नग्न दिखाकर उसका स्क्रीन वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करना ।
2. ऑनलाइन वीडियो चैटिंग करके युवक का नंबर प्राप्त करके उससे डेटिंग कर, संबंध बनाकर उसकी वीडियोग्राफी करके ब्लैकमेल करना ।
3. कैफ़े एवं होटल के माध्यम से युवकों पर षड्यंत्र रचना, सोची-समझी पहले से रची हुई साजिश।

ऑनलाइन वीडियो चैट ब्लैक मेलिंग को देश के बड़े शहरों के अपराधिक ग्रुप संचालित करते हैं । उनके पास नकली पुलिस अधिकारी के रूप में बहरूपिये होते हैं जो युवक की पुलिस शिकायत करने का काल करने का झूठा दबाव बनाते रहते हैं जब तक पैसा न मिल जाये ।

युवकों की ट्रैपिंग का षड्यंत्र कैसे किया जाता

यह बहुत ही शातिर, क्रिमिनल बैकग्राउंड के लोगों एवं तजुर्बेकार द्वारा, कानून की जानकारी लेकर के किया जाता है। पुलिस के समक्ष यह अपनी बात रखने में यह काफी हिम्मत वाले और माहिर होते हैं। उन्हें किसी प्रकार का कोई खौफ नहीं होता। इनके लिए सबसे पॉजिटिव नारी उत्पीड़न की बात को रखना हो जाता है।

इस प्रकार की वारदात के लिए एक युवती एक केस बनाने में उपयोग में लाते हैं जिसका 3 साल तक उसका उपयोग दूसरी अन्य जगह नहीं करते हैं। इस प्रकार की युवती वेश्यावृत्ति मैं लिप्त अथवा बिगड़ैल चरित्र की होती हैं जिन्हें अच्छे पैसे का प्रलोभन देकर ट्रैपिंग के लिए तैयार किया जाता है। युवती एक स्क्रिप्टेड स्टोरी में सोसाइड बम की तरह कार्य करती है, वह युवक की गलती का इंतजार करके गोपनीय तरीके से ऑब्जेक्ट का अतरंग वीडियो बनाना, अतरंग बातों की वॉइस कॉल को एकत्रित करना अन्य साक्ष्यों को महीनों एकत्रित करके रखती है जिसका सही समय आने पर उपयोग कर सकें।

ब्लैकमेलिंग का पहला चरण

इस चरण में युवती को लेकर उसके नकली रिश्तेदार युवक के घर पर जाकर परिवार वालों को युवक की करतूत बता वीडियो दिखाकर उन पर लाखों रुपये देने का दबाव बनाते।

ब्लैकमेलिंग का दूसरा चरण

परिवार वालों को पैसे देने से इनकार करने पर थाने जाकर रेप केस बनाकर फसाया जाता है फिर भी उनकी वसूली कोर्ट केस चलने तक जारी रहती हैं। उनको यह मालूम रहता है कि उनका शिकार बुरी तरह फस चुका है और उन्हें पैसे देकर ही समझौता करके ही वह सजा से बच सकता है।

नवयुवकों का इस घटना से डिप्रेशन, फोबिया एवं आत्महत्या के लिए प्रेरित होना प्रारंभ होता हैं न जाने कितने नवयुवक इस प्रकार की ट्रैपिंग में फस जाते हैं ओर लाखों रुपए की ब्लैक मेलिंग के पैसों की व्यवस्था ना होने के कारण उन्हें मानसिक तनाव, डिप्रेशन, बैचनी, फोबिया की स्थिति का सामना करना पड़ता है। जो आगे ट्रैपिंग की स्थिति गंभीर होने पर अत्यंत परेशान होकर नवयुवक आत्महत्या के लिए प्रेरित हो जाते हैं ।

रेप केस दर्ज करने से पहले पुलिस को चाहिए कि वह इस केस की सच्चाई एवं गहराई तक जाए एवं तफतीश में निम्न कदम उठाना आवश्यक है:-

1. सर्वप्रथम जो युवती केस दर्ज करवाने आयी है उसके आधार कार्ड या प्रस्तुत परिचय पत्र की सत्यता का प्रमाणीकरण एवं उसके पूर्व के आपराधिक रिकॉर्ड को पता करना जरूरी हैं ।
2. युवती के 1 साल का कॉल डिटेल एवं सोशल मीडिया चैटिंग को निकाला जाना आवश्यक हैं ।
3. युवती के बैंक खाते का विगत 3 सालों का ट्रांजैक्शन एवं ऑनलाइन पेमेंट का ब्यौरा प्राप्त करना जरूरी हैं ।
4. युवती के परिवार के बयान को शामिल कर उनके परिवार के हर सदस्यों का प्रमाणीकरण आवश्यक है।
5. युवती के निवास का प्रमाणीकरण बेहद आवश्यक है।

नर्मदा समय द्वारा प्रस्तुत की गई द यंग इटारसी स्टोरी वास्तविकता पर आधारित है।

फुलप्रूफ साइबर सिस्टम से बना हैं नया संसद भवन

हैकर-इंटरनेट अंडरवर्ल्ड नहीं सेंध लगा पाएगा

डॉ प्रताप सिंह वर्मा

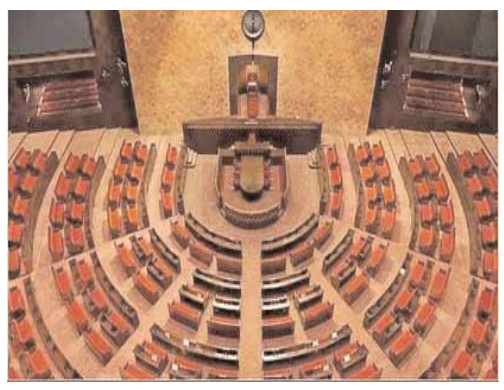

साइबर हमले के तहत फिशिंग और रैनसमवेयर की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। फिशिंग से तो बचा जा सकता है, लेकिन रैनसमवेयर यानी फिरौती मांगने वाला सॉफ्टवेयर, ये किसी भी निजी व सरकारी संस्थान को मुसीबत में डाल देता है। नए संसद भवन में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) और भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम (सीईआरटी-इन) की मदद से रैनसमवेयर और फिशिंग के खतरे को काफी हद तक खत्म कर दिया गया है।

देश के नए संसद भवन की अनेकों खूबियां हैं। नए संसद भवन को फूलप्रूफ साइबर सिस्टम से लैस किया गया है। जिन विशेषज्ञों ने इस सिस्टम को तैयार किया है, उन्होंने इसे 'स्टेट ऑफ आर्ट' साइबर सिक्योरिटी का नाम दिया है। यानी साइबर सिक्योरिटी के मामले में अत्याधुनिक सुरक्षा घेरा। इस सिस्टम को 'प्रो एक्टिव साइबर सिक्योरिटी' भी कहा जा सकता है। नए संसद भवन में चीन, पाकिस्तान सहित अन्य किसी भी देश के हैकर्स सेंध नहीं लगा सकते। इतना ही नहीं, संसद भवन का साइबर सिक्योरिटी सिस्टम इतना मजबूत है कि वह साइबर अपराध की काली दुनिया डार्क वेब, जिसे इंटरनेट का अंडरवर्ल्ड भी कहा जाता है, को पार्लियामेंट के आईटी सिस्टम के निकट भी नहीं फटकने देगा।

नए संसद भवन में डबल सिक्योरिटी ऑपरेटिंग सिस्टम

नए संसद भवन में फूलप्रूफ साइबर सिस्टम को तैयार करने वाली टीम के सूत्रों का कहना है कि कोई भी हैकर, यहां के उपकरणों में सेंध नहीं लगा सकता। यही वजह है कि इसे स्टेट ऑफ आर्ट कहा गया है। संसद भवन के हर कोने में डिजिटल सर्विलांस का घेरा रहेगा। इसमें आर्टिफिशिएल इंटेलिजेंस की भी मदद ली गई है। किसी भी आपातकालीन स्थिति का मुकाबला करने के लिए डबल सिक्योरिटी ऑपरेटिंग सिस्टम तैयार किया गया है। संसद भवन में इंटरनेट एकीकृत नेटवर्क के अलावा एयर-गैप्ड कंप्यूटर तकनीक भी रहेगी। एयर-गैप्ड कंप्यूटर, मौजूदा नेटवर्क से जुड़े उपकरणों के साथ वायरलेस या भौतिक रूप से कनेक्ट नहीं हो सकता। एयर गैप कंप्यूटर सिस्टम के जरिए डेटा को मैलवेयर और रैनसमवेयर से पूर्ण सुरक्षा मिलती है। इसे इंट्रानेट यानी बाकी नेटवर्क से अलग सिस्टम भी कहा जाता है। नए संसद परिसर में सुरक्षा संचालन केंद्र (एसओसी) द्वारा वाईफाई पर 2,500 इंटरनेट नोड्स के उपकरणों पर नजर रहेगी। इसके अलावा 1,500 एयरगैप्ड नोड्स और 2,000 उपकरणों का नेटवर्क, इन सबकी कार्यप्रणाली पर केंद्रीयकृत तरीके से सर्विलांस हो सकेगी।

रैनसमवेयर से सुरक्षित रहेगा संसद भवन का डेटा

साइबर हमले के तहत फिशिंग और रैनसमवेयर की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। फिशिंग से तो बचा जा सकता है, लेकिन रैनसमवेयर यानी फिरौती मांगने वाला सॉफ्टवेयर, ये किसी भी निजी व सरकारी संस्थान को मुसीबत में डाल देता है। इसके माध्यम से कंप्यूटर सिस्टम की फाइलों को एनक्रिप्ट कर दिया जाता है। यानी डेटा, हैक हो जाता है। इसके बाद फिरौती मांगी जाती है। अगर कोई फिरौती दे देता है तो उसका डेटा वापस आ जाता है। जो नहीं देता, उसका डेटा नष्ट कर दिया जाता है। ऐसे में अगर किसी के पास बैकअप फाइल नहीं है तो वह बड़ी मुसीबत में फंस सकता है। नए संसद भवन में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) और भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम (सीईआरटी-इन) की मदद से रैनसमवेयर और फिशिंग के खतरे को काफी हद तक खत्म कर दिया गया है।

पीएमओ और केंद्रीय मंत्रालयों से एम्स पर हुए साइबर हमले

देश में साइबर अटैक को रोकने के लिए केंद्र सरकार, हर संभव प्रयास कर रही है, लेकिन इसके बावजूद डेटा में सेंध लग रही है। भाजपा की वेबसाइट हैक हो चुकी है। संघ लोक सेवा आयोग की वेबसाइट को भी हैक कर लिया गया था। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) भी साइबर अटैक से नहीं बच सका। रक्षा, विदेश मंत्रालय और केंद्रीय जांच एजेंसियों के कंप्यूटरों पर भी साइबर हमला हुआ है। पिछले साल विदेशी हैकरों द्वारा दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के ई-हॉस्पिटल सर्वर पर बड़ा साइबर हमला किया गया था। कई दिनों तक एम्स का डिजिटल सिस्टम पटरी पर नहीं आ सका। रक्षा मंत्रालय पर भी हमले का प्रयास हुआ। यहां पर अधिकारियों के पास एनआईसी के नाम से ईमेल भेजी गई। एक लिंक भी अटैच था। पता चला कि एनआईसी द्वारा ऐसी कोई मेल नहीं भेजी गई है। जल शक्ति मंत्रालय और स्वच्छ भारत के ट्विटर भी साइबर हमले से नहीं बच सके। नई दिल्ली में आयोजित तीसरे अंतरराष्ट्रीय नो मनी फॉर टेरर मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (काउंटर-टेररिज्म फाइनेंसिंग) के लिए तैयार एमएचए की वेबसाइट में भी सेंध लगाने का प्रयास हुआ था। मजबूत साइबर सिक्योरिटी प्लेटफार्म ने हैकरों को कामयाब नहीं होने दिया।

जन्म जयन्ती- 28 मई पर विशेष

सावरकर स्वतंत्रता आन्दोलन के महायोद्धा एवं क्रांतिवीर थे वीर दामोदर सावरकर

ललित गर्ग

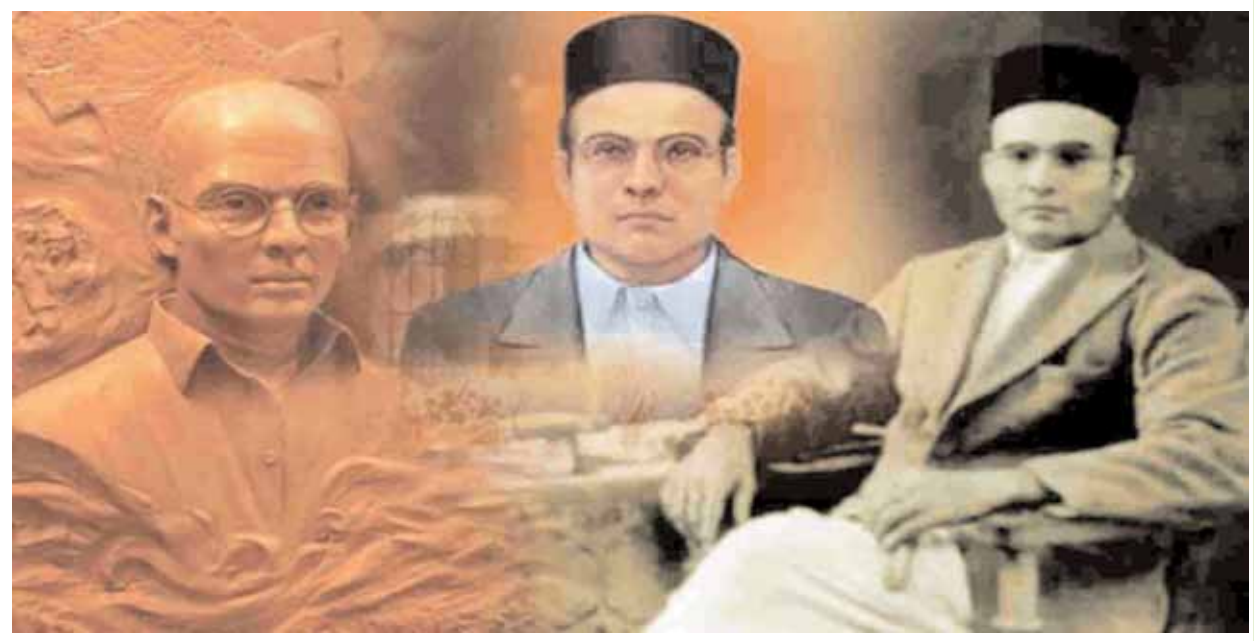

विनायक दामोदर सावरकर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के अग्रिम पंक्ति के सेनानी, महान् क्रांतिकारी, हिन्दूवादी, इतिहासकार, समाज सुधारक, विचारक, चिंतक, साहित्यकार एवं प्रखर राष्ट्रवादी नेता थे। वे विश्वभर के क्रांतिकारियों में अद्वितीय थे। उनका नाम ही भारतीय क्रांतिकारियों के लिए उनका संदेश था। उनकी पुस्तकें क्रांतिकारियों के लिए गीता के समान थीं। उनका जीवन बहुआयामी था। वीर सावरकर का जन्म 28 मई 1883 को नासिक के भगूर गांव में हुआ। सावरकर इस संसार के एकमात्र ऐसे रचनाकार हैं जिनकी पुस्तक '1857 का स्वातंत्र्य समर' को अंग्रेजों ने प्रकाशन से पहले ही प्रतिबंधित कर दिया था। यह वह पुस्तक है जिसके माध्यम से सावरकर ने सिद्ध कर दिया था कि 1857 की जिस क्रांति को अंग्रेज मात्र एक सिपाही विद्रोह मानते हैं, जबकि वही भारत का 'प्रथम स्वतंत्रता संग्राम' था। सावरकरजी ऐसे पहले भारतीय थे जिन्होंने वकालत की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की थी। लेकिन उन्होंने अंग्रेज सरकार की वफादारी की शपथ लेने से इन्कार कर दिया था, जिसके कारण उन्हें वकालत की उपाधि प्रदान नहीं की गयी। वे भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के ऐसे पहले महानायक थे, जिन्होंने जन-जन में क्रांति का शंखनाद किया।

वीर सावरकर ऐसे महान् भारतीय क्रांतिवीर हैं जिन्हें अंग्रेज-सरकार ने क्रांति के अपराध में एक ही जीवन में दो बार आजीवन कारावास की सजा सुनाई गयी थी। 1911 में उन्हें कालेपानी यानि अंडमान भेज दिया गया। वहां उनके बड़े भाई गणेश सावरकर भी बंद थे। जेल में सावरकर पर घोर अत्याचार किए गए गए जो कि एक क्रूर इतिहास बन गया। कोल्हू में जुतकर तेल निकालना, नारियल कूटना, कोड़ों की मार, भूखे- प्यासे रखना आदि। सावरकर जी ने जेल में दी गई यातनाओं का वर्णन अपनी पुस्तक ÷मेरा आजीवन कारावास÷ में किया है। दो बार की काले पानी की कठोर सजा के दौरान उन्हें छः महीने तक अंधेरी कोठरी में रखा गया। एक-एक महीने के लिए तीन बार एकांतवास की सजा सुनाई गयी। सात-सात दिन तक दो बार हथकड़ियां पहनाकर दीवारों के साथ लटकाया गया। इतना ही नहीं सावरकर को चार महीनों तक जंजीरों से बांध कर रखा गया। इतनी कठोर यातनाएं सहने के बाद भी सावरकर ने अंग्रेजों के सामने झुकना स्वीकार नहीं किया। जबकि तब से हमारे देश के कुछ बुद्धिजीवी, कुछ राजनीतिक दल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी एवं वामपंथी उनके कृतित्व एवं आजादी के लिये प्रदत्त बलिदानों को भूलकर उन पर अंग्रेज़ों से माफ़ी मांगने का आरोप लगाते हुए उनके अविस्मरणीय बलिदानों को धुंधलाने की कोशिशें की जा रही है। सावरकर को गाली देने वाले इस बात को समझ लें कि भारत की आजादी में उनका कद अगर महात्मा गांधी से ज्यादा नहीं तो कम भी नहीं है।

वीर सावरकर ने कहा था ''कष्ट ही तो वह चाक शक्ति है जो मनुष्य को कसौटी पर परखती है और उसे आगे बढ़ाती है।'' सावरकर के बलिदानों की असलियत और सच्चाई जाने बिना, उनकी कोशिशों की गहराई को समझे बिना और उन पर तटस्थ अध्ययन किए बिना, कोई भी कांग्रेसी व विपक्षी उनके ऊपर झूठे आरोप लगाते चले आए हैं। अर्से से उनको अपमानित किया जाता रहा है। हाल ही में कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने उनका एक चिट्ठी का हवाला देकर अनादर किया, वहीं कुछ समय पूर्व अरविंद केजरीवाल ने एक रैली में भाजपाइयों को सावरकर की औलादें कहकर अपनी मंशा प्रकट की थी। आखिर यह कब तक चलेगा? अब तो इस पर रोक लगनी चाहिए क्योंकि ऐसे व्यक्ति को जिसका पूर्ण जीवन भारत की आजादी के लिए दी गई कुर्बानियों की सच्ची मिसाल है। ऐसा व्यक्ति जिसको जहरीला भोजन और पानी देकर उसे कांटे की तरह सूखा दिया गया हो, जब उस पर झूठा लांछन लगाया जाता है तो किसी भी सच्चे भारतीय का मन विचलित, मस्तिष्क दुखी और आत्मा चीत्कार उठती है। सावरकर का कथन है कि ''कर्तव्य की निष्ठा संकटों को झेलने में, दुख उठाने में और जीवन भर संघर्ष करने में ही समाविष्ट है, यश-अपयश तो योगापयोग की बाते हैं।'

अखण्ड भारत का स्वप्न देखने एवं उसे आकार देने वालों में सावरकर का योगदान अनूठा एवं अविस्मरणीय है। आज नया भारत बनाने, भारत को नये सन्दर्भों के साथ संगठित करने, राष्ट्रीय एकता को बल देने की चर्चाओं के बीच भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के महान योद्धा के जन्म दिवस पर ही नये संसद भवन के उद्घाटन का निश्चिय कर मोदी सरकार ने सूझबूझ का परिचय दिया एवं इस सच्चे महानायक को विनम्र श्रद्धांजलि दी है। आजादी के अमृत-काल में उनकी पावन स्मृति और उनका जीवन-दर्शन आधार-स्तंभ एवं प्रकाश-किरण है। अग्रिम पंक्ति के स्वतंत्रता सेनानी सावरकरजी प्रेरणाएं एवं शिक्षाएं इसलिये प्रकाश-स्तंभ हैं कि उनमें नये भारत को निर्मित करने की क्षमता है। उन्होंने अनेक विपरीत एवं संघर्षपूर्ण स्थितियों के बीच एक भारत और मजबूत भारत की कल्पना की थी, जिसे साकार करने का संकल्प आज हर भारतीय के मन में है।

कहते हैं कि पूत के पांव पालने में ही दिख जाते हैं। अर्थात् व्यक्ति का भविष्य छुटपन में ही उसके व्यवहार से दिखने लगता है। वीर सावरकर की बचपन की गतिविधियां बता रही थीं कि यह बालक आगे चलकर भारतमाता का साहसी बेटा बनेगा, जिसे लोग 'स्वातंत्र्यवीर सावरकर' के नाम से पहचानेंगे। वे केवल आठ-दस वर्ष की उम्र से ही कविताएं लिखने लगे थे। उनके जीवन पर छत्रपति शिवाजी का बहुत गहरा प्रभाव था। शिवाजी की विजय गाथाएं, वीर सावरकर स्वयं तो बड़े चाव से पढ़ते ही थे, अपने मित्रों को भी गर्व के साथ सुनाया करते थे। इससे उनके मन में भी देशभक्ति, बलिदान, त्याग, समर्पण और देशसेवा की भावनाएं जोर मारने लगी थीं। युवा अवस्था में पहुँचते-पहुँचते सावरकर ने अपनी क्रांतिकारी सोच एवं गतिविधियों को और गति दे दी। उन्होंने 'अभिनव भारत' नाम की एक और संस्था की स्थापना भी की। सबसे पहले विदेशी कपड़ों की होली जलाकर अंग्रेजों को चुनौती देने का काम सावरकर ने किया। अंग्रेजों के घर 'लंदन' में घुसकर क्रांतिकारी गतिविधियां करने का साहस भी उन्होंने दिखाया। उनके ही प्रयास से लंदन में 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की स्वर्ण जयंती मनाई गई। जहाज से बीच समुद्र में छलांग लगाकर तो विनायक साहस के पर्याय ही बन गए। भारत के क्रांतिकारियों में वे 'पूज्य' हो गए थे। सरदार भगत सिंह ने अपने एक लेख में विनायक दामोदर सावरकर के लिए 'वीर' और 'पूजनीय' जैसे आदरसूचक विशेषणों का उपयोग किया हैं। उनकी क्रांतिकारी गतिविधियों, विचारों एवं संगठन क्षमता से अंग्रेज भयभीत हो गए थे। आजादी के लिए काम करने के लिए उन्होंने एक गुप्त सोसायटी बनाई थी, जो 'मित्र मेला' के नाम से जानी गई। 1905 के बंग-भंग के बाद उन्होंने पुणे में विदेशी वस्त्रों की होली जलाई। रत्नागिरी आंदोलन के समय उन्होंने जातिगत भेदभाव मिटाने का जो कार्य किया वह अनुकरणीय था। वहां उन्होंने दलितों को मंदिरों में प्रवेश के लिए सराहनीय अभियान चलाया। महात्मा गांधी ने तब खुले मंच से सावरकर की इस मुहिम की प्रशंसा की थी, भले ही आजादी के माध्यमों के बारे में गांधीजी और सावरकर का नजरिया अलग-अलग था।

अप्रतिम प्रतिभा सम्पन्न सावरकरजी कुशल मानवशिल्पी के साथ राष्ट्र-शिल्पी थे। भारत की हिंदू अस्मिता, हिंदू समाज की उत्पत्ति व संघटन, विवाह, माता-पिता द्वारा संतान का पालन-पोषण, आपसी सौहार्द, सामाजिकता, आध्यात्मिकता, धार्मिकता, आर्थिक स्थितियां, कृषि, जीवनशैली तथा ऐसे ही अन्य अनेक विषयों पर उनके जीवन-दर्शन से मार्ग प्रशस्त होता है। सावरकर जेल में रहते हुए भी स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय रहे। यह भी अजीब विडंबना है कि इतनी कठोर यातना सहने वाले राष्ट्र-योद्धा के साथ तथाकथित इतिहासकारों ने न्याय नहीं किया, उनके विराट व्यक्तित्व एवं राष्ट्र-विचारों को धूमिल किया। किसी ने कुछ लिखा भी तो उसे तोड़ मरोड़ कर पेश किया। राष्ट्रोत्थान की मूल भावना के अभिप्रेरित वीर सावरकर भले ही आज हमारे बीच में नहीं है लेकिन उनकी प्रखर राष्ट्रवादी सोच हमेशा राष्ट्र एवं राष्ट्र के लोगों के दिलो में जिन्दा रहेगी ऐसे भारत के वीर सपूत वीर सावरकर को हम सभी भारतीयों को हमेशा गर्व रहेगा। क्योंकि उनके जीवन का उद्देश्य रहा है- निज संस्कृति को बल देना, उज्ज्वल आचरण, सात्विक वृत्ति एवं स्व-पहचान।

स्विफ्ट कार से हो रही थी शराब की तस्करी, पुलिस ने अवैध शराब के साथ 3 आरोपियों को किया गिरफ्तार

नर्मदा समय, अरुण कश्यप

नर्मदापुरम। कोतवाली पुलिस ने एक स्विफ्ट डिजायर कार से भारी मात्रा में परिवहन कर भोपाल से नर्मदापुरम लाई जा रही अवैध शराब जप्त कर दो युवकों एवं एक नाबालिग को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि एक महाराष्ट्र पासिंग स्विफ्ट डिजायर कार जिसमें भारी मात्रा में अवैध शराब भरी हुई है जो भोपाल की और से बंगाली कॉलोनी नर्मदापुरम तरफ आने वाली है, इस सूचना पर कोतवाली पुलिस स्टाफ के द्वारा तत्काल भोपाल तिराहा एवं बंगाली कॉलोनी में घेराबंदी की गई। इसी दौरान बंगाली कॉलोनी में एक महाराष्ट्र पासिंग स्विफ्ट डिजायर कार सफेद रंग स्रा 01 क्क्ष 9633 को चेक किया तो उक्त कार में एक नाबालिग सहित दो युवक बैठे हुए थे। कार की डिक्की में एवं कार की बीच वाली सीट पर 13 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब जिसमे 12 पेटी बियर की और 1 पेटी अंग्रेजी शराब की भरी रखी थी। कोतवाली पुलिस द्वारा उक्त कार को मय शराब के मौके पर ही जप्त कर आरोपीगण क्रमशः चंद्रमोहन पिता विठ्ठल दास विश्वकर्मा उम्र 23 वर्ष निवासी बागमुगलिया भोपाल, सुनील जाटव पिता नंदकिशोर जाटव उम्र 27 वर्ष निवासी बंगाली कॉलोनी नर्मदापुरम एवं एक नाबालिग को मौके पर ही धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया जाकर उक्त आरोपी गणों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 425/23 धारा 34(2) आबकारी एक्ट का पंजीबद्ध किया जाकर आरोपिगणो को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। जप्तशुदा शराब की कीमत करीबन 41,400/ है।

पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह के मार्गदर्शन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह तथा एसडीओपी पराग सैनी के निर्देशन में उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक विक्रम रजक के साथ उपनिरीक्षक शरद बर्डे, प्रधान आरक्षक सौरभ जाटव, प्रधान आरक्षक विशाल, आरक्षक कपिल विश्वकर्मा आरक्षक संगीत शर्मा की मुख्य भूमिका रही है।

कच्ची महुआ शराब जप्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया

सिवनी मालवा। थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना सिवनी मालवा जिला नर्मदापुरम जिले में अवैध मदिरा की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तारतम्य में पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम गुरुकरण सिंह के मार्गदर्शन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह तथा एसडीओ(पी) श्रीमती आकांक्षा चतुर्वेदी के निर्देशन में सिवनी मालवा पुलिस द्वारा अवैध रूप से भट्टी लगाकर बनाई गई कच्ची महुआ शराब जप्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

आज दिनांक 26/05/ 2023 को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई की ग्राम हिरण खेड़ा में बबलू लोबंसी के खेत के पास नाले में अवैध रूप से भट्टी लगाकर कच्ची महुआ शराब बनाई जा रही है जो मौके पर पहुंचकर आरोपी सुरेश पिता प्यारेलाल अपाचे उम्र 50 साल निवासी हिरण खेड़ा से 70 लीटर अवैध कच्ची हाथ भट्टी की महुआ शराब एवं शराब बनाने के उपकरण जप्त किए गए एवं मौके पर ही 4 कुंटल लाहन नष्ट किया गया आरोपी सुरेश के खिलाफ अपराध क्रमांक 274/23 धारा 34(2)आबकारी एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया संपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी सिवनी मालवा गौरव सिंह बुंदेला, उपनिरीक्षक महेश जाट ,सहायक उपनिरीक्षक सुरजीत सिंह आरक्षक 54 संदीप ,आरक्षक 334 अतुल ,महिला आरक्षक 896 शानू निवारे का योगदान रहा।

विधायक प्रेम शंकर वर्मा ने महिला एवं बच्चों को दिखाई द केरला स्टोरी

अरुण कश्यप

सिवनी मालवा। गीता चित्र मंदिर सिनेमाघर में क्षेत्रीय विधायक प्रेम शंकर वर्मा के द्वारा आज सिवनी मालवा क्षेत्र की समस्त महिला एवं बच्चियों को द केरला स्टोरी मुफ्त निशुल्क दिखाई गई। 12 से 3 बजे के शो में महिलाओं एवं बच्चियों को निशुल्क फिल्म दिखाई गई है।

अनीता कृष्णा वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि लव जिहाद एवं अन्य समाज की कुरीतियों पर बनी फिल्म द केरला स्टोरी को निशुल्क दिखाई जा रही है।

ताकि इस फिल्म को देखकर महिलाएं एवं बच्चियां दिखाई जा रही है बाकी लव जिहाद जैसे मैं महिलाएं एवं बच्चियां ना धोखे में ना आए एवं अपने आप को सुरक्षित रख सके। ईश्वर जमीदार ने भी जानकारी देते हुए बताया कि भारतवर्ष में लव जिहाद एवं धर्मांतरण जैसे कार्य होते रहते हैं।

इन्हीं कार्यों पर बनी फिल्म को निशुल्क दिखाने का कार्य किया जा रहा है ताकि आने वाली पीढ़ी एवं बच्चियां लव जिहाद जैसे धोखे में ना फंसे एवं उनको जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है एवं निशुल्क फिल्म दिखाई जा रही है।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 अंतर्गत नाले नालियों की साफ-सफाई एवं जन जागरूकता अभियान

नर्मदा समय, अरुण कश्यप

सिवनी मालवा। नगर पालिका सिवनी मालवा द्वारा वर्षा पूर्व बाढ़ आपदा की रोकथाम एवं स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 अंतर्गत विशेष सफाई अभियान में बड़े नालों एवं नालियों की साफ-सफाई का कार्य करवाया गया एवं कचरा नदियों में न जाए इसकी रोकथाम के लिए लोहे की जाली लगवाई जा रही है एवं नागरिकों को कचरा नालों में नहीं डालते हुए नगर पालिका के स्वच्छता वाहन में डालने के लिए जागरूक किया गया विशेष सफाई अभियान स्वच्छता निरीक्षक डॉ प्रशांत कुमार शर्मा, सचिन मलैया, प्रभारी सफाई जमादार नरेंद्र गोहर,विनोद महोरिया एवं सफाई दल उपस्थित रहे मुख्य नगरपालिका अधिकारी राकेश मिश्रा ने बताया कि वर्षा पूर्व शहर के बड़े नाले एवं नालियों को साफ करने का कार्य निकाय के द्वारा किया जा रहा है एवं जिन नागरिकों के द्वारा नालों पर अतिक्रमण या गंदगी फैलाई जा रही है उनको नियम अनुसार नोटिस देकर एवं जुर्माने की कार्यवाही की जाएगी।

रानी अवंती गरबा स्टार शिवानी उइके 70 प्रतिशत अंको के साथ 10वीं में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुई

नर्मदा समय, संवाददाता

इटारसी। रानी अवंती विद्या निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल इटारसी की होनहार छात्रा शिवानी उइके पिता राकेश उइके ने माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश भोपाल की दसवीं की परीक्षा 70₹ अंकों के साथ प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की हैं। उल्लेखनीय है कि वे रानी अवन्ति शाइनिंग स्टार की गरबा एवं नृत्य प्रतियोगिताओं में प्रमुख किरदार निभाती हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों मैं उनकी प्रतिभा का जादू सबने देखा है साथ ही वह पढ़ाई में भी अव्वल है। उनकी इस बहुमुखी उपलब्धि पर शाला परिवार एवं प्राचार्य डॉ प्रताप सिंह वर्मा ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

10वीं की छात्रा श्वेता मिर्धा 85 प्रतिशत अंकों से प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुई

नर्मदा समय संवाददाता

इटारसी। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश भोपाल के परीक्षा परिणाम में रानी अवंती हायर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा श्वेता मिर्धा पिता सुनील मिर्धा ने दसवीं की परीक्षा में 85 प्रतिशत अंकों के साथ पांच विषय में विशेष योग्यता प्राप्त कर प्रथम श्रेणी के साथ उत्तीर्ण की हैं। उनके पिता विगत 3 वर्षों से लकवे से पीड़ित रहे हैं। पारिवारिक आर्थिक संघर्ष के विपरीत परिस्थितियों के बाद उनकी इस विशेष उपलब्धि पर रानी अवंती स्कूल के प्राचार्य डॉ प्रताप सिंह वर्मा एवं स्कूल के समस्त स्टाफ ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

महावरी दिवस को लेकर किया जागरूकता कार्यक्रम

नर्मदा समय

पिपरिया। शहर का जागरूक समाज सेवी संगठन ऐ जे स्टार क्लब ने अजय सराठे और अनिल पटेल के मार्गदर्शन में 28 मई को महावरी दिवस को लेकर आज शनिवार 27 मई को पिछड़ा ग्राम पगारा में जाकर महिलाओं और बालिकाओं में सेनेटरी पैड्स वितरित किये और उन्हें महावरी के समय पर कपड़ा इस्तेमाल न करने की सलाह दी और उन्हें बताया कि कपड़े के इस्तेमाल से इन्फेक्शन और अन्य बीमारियों का डर रहता है और उन्हें आश्वासित किया कि आने वाले समय मे उन्हें जरूरत अनुसार हर जरूरत पूरी की जाएगी। क्लब के अजय सराठे, अनिल पटेल, अभिषेक पटेल, निहाल राकसे, जिज्ञासु भन्नारिया, प्रकृति श्रीवास्तव, कीर्ति शुक्ला, यशिका सराठे, भक्ति पटवा मौजूद रहे। ऐ जे स्टार क्लब लगातार लोगो को जागरूक कर रहा है, अजय सराठे ने बताया कि हमने ये संकल्प लिया है कि लगातार हम लोगो को जागरूक करेंगे और हर जरुरत मंदो की मदद करेंगे।

होमस्टे में देशी-विदेशी मेहमानों का स्थानीय संस्कृति और पारंपरिक भोजन से होगा स्वागत

नर्मदापुरम जिले में तैयार हो रहे 11 होमस्टे

नर्मदा समय

नर्मदापुरम। एक जिला एक उत्पाद के तहत नर्मदापुरम जिले में पर्यटन का चयन किया गया है। जिला कलेक्टर नीरज कुमार सिंह के मार्गदर्शन में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले में 52 हफ्ते 52 इवेंट्स के तहत विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही है।

जिले में प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने पहुंच रहे पर्यटकों के लिए मप्र टूरिज्म बोर्ड द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से जिम्मेदार पर्यटन के तहत होमस्टे योजना संचालित की जा रही है। जिले की सोहागपुर तहसील में दो ग्रामों छेड़का एवं ढावा ग्राम में योजना के तहत ग्रामीण होमस्टे के निर्माण चल रहे हैं। छेड़का ग्राम में 7 और ढाबा ग्राम में 4 होमस्टे बनाये जा रहे हैं।

इन होम स्टे में पर्यटक न सिर्फ प्रकृति के बीच रह सकेंगे बल्कि जिला और प्रदेश की संस्कृति एवं स्थानीय व्यंजन का आनंद भी लेंगे। होमस?टे संबंधी योजनाओं को पर्यटकों को भारतीय संस्कृति, परम्पराओं एवं खान-पान आदि का अनुभव प्रदान करना, पर्यटकों तथा यात्रियों को ठहरने के लिये स्वच्छ एवं किफायती स्थान उपलब्ध कराने, प्रदेश में अतिथी कक्षों की संख्या में वृद्धि करने एवं स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु संचालित किया जा रहा है। पर्यटन विभाग द्वारा होमस्टे योजनाओं को सरल एवं आसान बनाकर व्यापक रूप से हितधारकों को जोड़ने हेतु तैयार किया गया है।

इन योजनाओं के माध्यम से प्रदेश के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों, पर्यटन स्थलों के निजी क्षेत्र के हितधारक तेजी से बढते हुए पर्यटन व्यवसाय से जुड़कर अपनी संस्कृति, परिवेश एवं स्थानीय परम्पराओं का अनुभव प्रदान करते हुए आय के वैकल्पिक स्त्रोत को सृजित कर सकेंगे। पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव एवं म प्र टूरिज़्म बोर्ड के प्रबंध संचालक शिव शेखर शुक्ला द्वारा बताया गया है कि मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा प्रदेश के 100 चिन्हित ग्रामो में होमस्टे के निर्माण का कार्य जारी है जिसमे पचमढ़ी में होमस्टे से पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र के साथ एक अच्छी वैकल्पिक व्यवस्था है, जिसमे पर्यटकों को स्थानीय संस्कृति और वातावरण का लाभ मिल सकेगा।

बिना टिकट,अनियमित टिकट एवं बिना बुक कराए समान लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों की धरपकड़

इटारसी। वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक श्रीमती रश्मि बघेल के निर्देशन में बिना टिकट, अनियमित टिकट एवं बिना बुक कराए समान लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों की धरपकड़ के लिए मंडल में लगातार टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में दिनांक 26.05. 2023 को इटारसी स्टेशन पर सहायक वाणिज्य प्रबन्धक के.एन. द्विवेदी के नेतृत्व में प्रातः 6 बजे से अपराह्न 02.00 बजे तक 31 टिकट चेकिंग स्टाफ तथा 8 आरपीएफ स्टाफ के सहयोग से चलाये गए टिकट चेकिंग अभियान के दौरान 33 गाड़ियों के यात्रियों की टिकट जांच की गई। इस टिकट जांच के दौरान बिना टिकट यात्रा करने वाले 238 यात्रियों, अनुचित टिकट लेकर यात्रा करने वाले 123 यात्रियों एवं गंदगी फैलाने वाले 6 यात्रियों सहित कुल 367 यात्रियों से कुल रुपये 2,45,955/- बतौर जुर्माना एवं किराया वसूल किया गया, साथ ही यात्रियों को उचित टिकट लेकर ही यात्रा करने की समझाईश दी गई।वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक श्रीमती रश्मि बघेल नें यात्रियों से अपील की है कि उचित टिकट लेकर ही यात्रा करें,प्रतिक्षा सूची ई-टिकट पर यात्रा करने की अनुमति नहीं है। इसी प्रकार प्लेटफॉर्म टिकट भी यात्रा के लिए अनुमत नहीं है। अतः प्रतीक्षा सूची ई-टिकट अथवा प्लेटफॉर्म टिकट लेकर यात्रा न करें। स्टेशन प्लेटफॉर्म पर प्रवेश के लिए यात्रा टिकट या प्लेटफॉर्म टिकट होना आवश्यक है। यात्रा से पूर्व अपने सामान को बुक कराएं, ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

गांव के विकास में युवाओं की अहम भूमिका, ग्रामीणों को शपथ दिलाकर नशा ना करने हेतु प्रेरित किया: डॉ विशाल सिंह बघेल

नर्मदा समय, अरुण कश्यप

सिवनी मालवा। रिलाएबल सोशल वेलफेयर सोसायटी तथा बीएचआरसी ग्रुप द्वारा सिवनी मालवा के ग्राम कोलगांव में चाय पर चर्चा कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम के तहत गांव के विकास में युवाओं की भूमिका, जल संरक्षण, नशामुक्ति, आयुष्मान कार्ड आदि प्रमुख विषयों पर कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों व युवाओं से चर्चा की।

मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ नर्मदापुरम जिला संयोजक तथा बीएचआरसी ग्रुप के डायरेक्टर डॉ विशाल सिंह बघेल ने नशा मुक्ति पर बीएचआरसी ग्रुप द्वारा निर्मित की गई फिल्म का प्रसारण करके ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणाम बताएं। ग्रामीणों को शपथ दिलाकर नशा ना करने हेतु प्रेरित किया। साथ ही आयुष्मान कार्ड में आ रही तकनीकी समस्या को दूर करने के उपाय बताएं। जल संरक्षण हेतु जल स्त्रोतों की सफाई, नदियों तालाबों का गहरीकरण, सोख्ता गड्ढा निर्माण आदि बनाने पर प्रेरित किया।

हमारे देश की ग्रामीण संस्कृति पर चर्चा करते हुए गांव के विकास में युवा अपनी बढ़-चढ़कर हिस्सेदारी निभाए, इस पर उन्हें मार्गदर्शित किया। डॉ पूनम सिंह राजपूत ने बीएचआरसी ग्रुप तथा रिलाएबल सोसायटी द्वारा समाजहित में की जा रही गतिविधियों पर अपनी बात रखी।

इस दौरान ग्रामीणों ने बड़े उत्साह के साथ बीएचआरसी ग्रुप की टीम का स्वागत किया। कार्यक्रम के शुभारंभ में कोलगांव स्थित राम मंदिर में डॉ विशाल सिंह बघेल, डॉ पूनम सिंह राजपूत ने पूजा अर्चना की। कार्यक्रम में वीरेंद्र राजपूत, त्रिलोक राजपूत, जनपद सदस्य हरिओम दायमा, सरपंच रमा मस्तान सिंह खंडेल, ओपी राजपूत, शंकर सिंह पटेल, सत्यनारायण, जयकृष्ण, अशोक राजपूत, शेरसिंह, ईश्वर विश्नोई, आनंद लौवंशी, पीयूष राठौर आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

राजनैतिक द्वेष के चलते रामलीला मैदान पर स्टेडियम निर्माण का अपनी ही पार्टी के निर्णय का विरोध

प्रदीप गुप्ता/ नर्मदापुरम। शहर की जनता विकास चाहती है और उसके लिए पार्टी के द्वारा कार्य कराने के आदेश भी होते है। लेकिन शहर में नेताओं के बीच राजनीतिक प्रतिस्पर्धा इस कदर हो गई है कि दूसरे की लकीर छोटी करने के फेर में विकास कार्यो का भी विरोध करने लगे हैं। भाजपा जहां शहर में कुछ उल्लेखनीय काम करवा कर उसे अपनी और सरकार की उपलब्धि प्रचारित करने के लिए के जुट हुई है तो वहं भाजपा से जुड़े कुछ असंतुष्ठ लोग षडयंत्रपूर्वक इन प्रयासों को पलीता लगाने में तुले हुए हैं। ताजा मामला रामलीला मैदान पर स्टेडियम निर्माण का है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर बनने जा रहे उक्त मैदान के लिये शासन ने राशि जारी कर दी है, नगरपालिका निर्माण करने की तैयारी में है, लेकिन ऐन मौके पर राजनैतिक द्वंदता के चलते भाजपा के ही समर्थक, पदाधिकारी इस मैदान के निर्माण पर रोक लगाने के लिये अमादा है। आगामी विधानसभा चुनाव सिर पर हैं। जिले में अधूरे निर्माण कार्य को पूर्ण कराने के लिये जनप्रतिनिधि अपने- अपने क्षेत्र में ताबड़तोड़ निर्माण करा रहे है जिससे जनता के बीच यह उपलब्धि लेकर जा सकें। लेकिन नर्मदापुरम विधानसभा में भाजपा का एक गुट षडयंत्र पूर्वक अपनी ही पार्टी के विधायक द्वारा स्वीकृत कराये गये निर्माण कार्य में बाधा बने हुए हैं। राम लीला मैदान पर संभाग का सबसे प्राचीन और बड़े आयोजन होता है, जहां लाखों की संख्या में लोग रामलीला, दशहरा देखने के लिये उक्त मैदान पर एकत्रित होते हैं। लेकिन इस मैदान पर बुनियादी सुविधाएं न होने एवं आसपास लगातार हो रहे अतिक्रमणों को देखते हुए व्यवस्थित एवं सुविधाजनक बनाया जाना है, लेकिन भाजपा समर्थक किराना एसोसिएशन के अध्यक्ष और पदाधिकारी जो कि सभी भाजपा के पदाधिकारी या पूर्व पदाधिकारी हैं, वह इसका विरोध इसलिये कर रहे है कि इन व्यापारियों की दुकानों के सामने बारिश में जलभराव की स्थिति बनेगी। जबकि बाजार क्षेत्र के नालों पर इन्हीं भाजपा के व्यापारियों ने कब्जा और अतिक्रमण करके रखा है। इसको लेकर किराना एसोशिएशन के अध्यक्ष और पदाधिकारियों ने एक ज्ञापन भी सौंपकर विरोध और आपत्ति जताई है सिर्फ कुछ चंद को आपत्ति है।

पर्दे के पीछे भी कई चेहरे: मैदान का जीर्णोद्वार भाजपा की अंदरूनी कलह खोल रहा है, धीरे-धीरे मैदान की बहाने विधायक का विरोध किया जा रहा है, चूंकि नर्मदापुरम में भाजपा तीन गुटों में बटी है, पहला संगठन, दूसरा विधायक, तीसरा पूर्व नपाध्यक्ष का, अब ऐन चुनाव के मौके पर विरोध किया जाना भाजपा की नीति रीति से अलग समझा जा रहा है। हालाकि जिले में विधानसभा चुनाव नजदीक हैं ऐसे में चारों विधायक अपने-अपने क्षेत्रों पर फोकस में लगे हैं, वहीं विरोध गुट ऐन चुनाव के मौके पर करोड़ों की लागत से बनने वाले भगवान राम (रामलीला मैदान) पर बन रहे स्टेडियम का विरोध समझ से परे है।

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री शर्मा ने लिखा पत्र: इस मामले को लेकर समाजसेवी भवानीशंकर शर्मा ने जनहित के कार्यों पर आपत्ति लेने पर श्री चौकसे को पत्र भी लिखा है।

हृदय रोगियों के लिए लगाया गया विशेष स्वास्थ्य शिविर लोगों ने लिया भरपूर लाभ

टीकमगढ़। झांसी- टीकमगढ़ मार्ग पर बाबरी तिगैला के समीप स्थित राय नर्सिंग कालेज एवं रीना मेमोरीयल हॉस्पिटल में पूर्व भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वर्तमान केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गड़करी के जन्म दिन के उपलक्ष्य में विशाल हृदय रोग केम्प का आयोजन किया गया जिसने भोपाल से आए हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर विकाश चतुर्वेदी ,डॉक्टर मालवीय डॉक्टर मनोज यादव एवं डॉक्टर विनोद राय उपस्थित रहे साथ ही राय कॉलेज का टेक्निकल नर्सिंग स्टाफ भी इस मौके पर मौजूद रहा। उल्लेखनीय है कि 27 मई 2023 शनिवार के दिन राय कॉलेज में हृदय रोगियों के लिए एक विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें भारी संख्या में रोगियों ने पहुंचकर अपना चेकअप कराया और परीक्षण उपरांत दवा आदि ली इस मौके पर इस शिविर का लोगों ने भरपूर लाभ लिया जहां इस अवसर पर डायबिटीज शुगर सहित तमाम रोगों की जांच उपचार आदि की गई जहां शिविर में पहुंचकर रोगियों ने इस शिविर का भरपूर लाभ लिया। यह शिविर जिले के वरिष्ठ समाजसेवी एवं राय कॉलेज ऑफ नर्सिंग के संचालक व पूर्व विधानसभा प्रत्याशी डॉ विनोद कुमार राय और उनके सहयोगियों के द्वारा लगा।

समय गुप्ता ने कॉमर्स संकाय में 500 में से 435 अंक लेकर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया

नवील वर्मा/ शाहपुर। नगर के रहने वाले होनहार बालक समय गुप्ता ने जिला बैतूल के विनायक म स्कूल में अध्ययन किया और 12वीं की परीक्षा विनायकम स्कूल से ही रेगुलर विद्यार्थी के रूप में कक्षाएं संचालित की। उन्होंने कॉमर्स संकाय में 500 में से 435 अंक लेकर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। समय गुप्ता ने बताया कि मेरी मम्मी का देहांत कोरोना समय में हो गया था मेरी मम्मी का सपना पूरा करना मेरे जीवन का उद्देश्य है मेरे पिताजी की किराना की दुकान है जिससे कि पढ़ाई के साथ-साथ दुकानें घर के कामकाज में भी मैं हाथ भी बटाता था और बैतूल में किराए के मकान में रहकर बिना किसी कोचिंग के साथ 8 घंटे स्वयं पढ़ाई करता था और मैं मोबाइल सोशल मीडिया से दूर रहकर शाला के शिक्षकों के मार्गदर्शन में नियमित अध्ययन करा करता था मेरा ध्यान सिर्फ पढ़ाई है जिससे मुझे यह परिणाम मेहनत करने के उपरांत प्राप्त हुआ मेरी सफलता पर मेरे पिताजी राजेश गुप्ता मेरे चाचा शारदा गुप्ता जी मेरे बड़े पापा बसंत गुप्ता एवं संतोष गुप्ता पापा मेरे दादाजी मुरलीधर गुप्ता इन सभी ने मुझे शुभकामनाएं और आशीर्वाद प्रदान किया और सबसे पहले तो मैं अपने शिक्षकों का गुरुजनों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं और उनके चरणों में अपना प्रणाम करता हूँ मेरे जीवन का लक्ष्य केवल सिविल सर्विसेस में जाकर जिले का नाम रोशन करना है।

अनुराग चौरे ने 89.40 प्रतिशत अंक लेकर विद्यालय एवं परिजनों का बढ़ाया मान

शाहपुर। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित 12वीं के बोर्ड परीक्षा परिणामों में बैतूल श्री विनायक स्कूल में अध्ययनरत अनुराग चौरे ने 89.40 प्रतिशत अंक लेकर विद्यालय एवं परिजनों का मान बढ़ाया है। अनुराग ने कुल अंक 500 में से 447 अंक प्राप्त किए है। अनुराग चौरे ने सभी विषयों में विशेष योग्यता हासिल की है। छात्रा की इस उपलब्धि पर जहां उनके परिजनों की खुशी का ठिकाना नहीं है। विद्यालय परिवार ने भी छात्र की उपलब्धि पर उसे शुभकामनाएं दी हैं। उल्लेखनीय है कि अनुराग चौरे प्रतिष्ठित परिवार आयुषी फेब्रिकेशन संचालक जसवंत चौरे के बेटे है। अनुराग चौरे ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी मम्मी श्रीमती ललिता चौरे पापा जसवंत चौरे एवं बहन आयुषी चौरे को दिया है। एवं विशेष सहयोग कजन ब्रदर विकास चौरे ने दिया है।

माँ नर्मदा कान्वेंट स्कूल का परिणाम शत प्रतिशत रहा

हरदा। माँ नर्मदा कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल तजपुरा का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा कक्षा दसवीं में 40 बच्चों में से 38 बच्चे फर्स्ट डिवीजन पास हुए तथा कक्षा 12वीं में 34 बच्चों में से 29 बच्चे फर्स्ट डिवीजन पास हुए तथा कक्षा पांचवी में 44 बच्चों में से 44 बच्चे ही फर्स्ट डिवीजन पास है तथा कक्षा आठवीं का परीक्षा परिणाम 84₹ रहा स्कूल डायरेक्टर तथा प्राचार्य एवं सभी स्टाफ के शिक्षकों द्वारा बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की बच्चों को शुभकामनाएं शुभकामना दी । वीर महाराणा प्रताप स्कूल करताना में 10 कक्षा में महक पिता शांति लाल यदुवंशी नोसार 94.4 प्रतिशत पूर्वा धर्मेंद्र राजपूत करताना 82.4 12 वी कक्षा सिम्मी सवाई सिंह राजपूत 81 प्रतिशत (कार्मस) सुहानी सब्बर सिंह गोदड़ी 79 प्रतिशत विद्यालय का कुल 90 रिजेलट रहा। विद्यालय प्राचार्य ने बच्चो को शुभकामनाएं प्रषित की गई।

ग्राम उमरछा,हसद्दुखेड़ी, सिरनोटा में नारी शक्ति सम्मान योजना के तहत घर घर जाकर फॉर्म भरवाए गए:सुभाषिनी

कुलदीप सिंह रायकवार

कुरवाई। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ जी द्वारा घोषणा की गई है कि कांग्रेस की सरकार बनते ही प्रदेश की सभी माता बहनों को 1500 रूपए प्रति महिला के हिसाब से सम्मान निधि और 500 में गैस सिलेंडर दिया जायेगा साथ ही 100 यूनिट बिजली फ्री 200 यूनिट का बिल हाफ, किसानों का कर्ज माफ, किसानो का कर्ज माफ, गौशालाओं के संरक्षण एवं संवर्धन आदि की घोषणाओं से ग्रामीणों को अवगत कराया।

इस संदर्भ में आज ग्राम पंचायत सिरनोटा, उमरछा, हरसद्दूखेड़ी,में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने अनेकों महिलाओं के नारी सम्मान योजना के तहत घर घर जाकर फॉर्म भरवाए।

पूर्व विधानसभा कांग्रेस प्रत्याशी सुभाष बोहत,प्रदेश कांग्रेस महामंत्री अल्प संख्यक विभाग हाजी नदीम जावेद खान, पूर्व जिला पंचायत सदस्य सुभाषिनी बोहत एडबोकेट मंडलम अध्यक्ष आशाराम माझी,,मानव अधिकार संरक्षण परिषद के जिला अध्यक्ष मनमोहन दुबे, मोहम्मद हदीक, जिला कांग्रेस महामंत्री बंटी सक्सेना, योगेन्द्र चंदेल, नितिन यादव आदि ने अनेकों महिलाओं के फॉर्म भरवा कर नारी शक्ति सम्मान योजना के तहत उन्हें जोड़ा। इस अवसर पर सुभाषिनी बोहत अंबेडकर प्रदेश अध्यक्ष महात्मा गांधी पंचायती राज कांग्रेस ने कहा कि 18 वर्षों से भारतीय जनता पार्टी की सरकार है जिसने अनेकों योजनाओं में भ्रष्टाचार किया है, महंगाई चरम सीमा पर पहुंचा दी है, कमलनाथ की सरकार बनेगी तो माता बहनों का सम्मान रखा जाएगा और उन्हें सम्मान निधि से पारितोषिक किया जाएगा । सुभाषिनी बोहत ने कहा कि महात्मा गांधी पंचायती राज कांग्रेस सहित ब्लॉक कांग्रेस मंडलम कांग्रेस सेक्टर कांग्रेस पोलिंग बूथ इकाइयां कुरवाई विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक ग्राम में हैं जिसके कार्यकर्ता फार्म भरवाने में सहयोग कर रहे हैं।

कांग्रेस के प्रसार प्रचार के लिए 7 जून को होने वाले भाजपा विदाई यज्ञ हेतु 5 रथ हुए रवाना

कुलदीप सिंह रायकवार

कुरवाई। विधानसभा चुनावों को लेकर अब कांग्रेसी नेताओं ने आधुनिक तरीके से पार्टी का प्रचार-प्रसार करना शुरु कर दिया है। इसी कड़ी में आज मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष दामोदर राय ने मेहलुआ चौराहा महाकाल ढाबा परिसर में क्षेत्र के सभी कांग्रेसियों के समक्ष कांग्रेस के प्रचार-प्रसार के लिए 6 कांग्रेस रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बता दें कि यह रथ मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष और कुरवाई विधानसभा से कांग्रेस पार्टी की ओर से दावेदारी कर रहे हैं।

प्रबल दावेदार प्रदीप अहिरवार के नेतृत्व में चलाऐ जा रहे हैं प्रचार रथों के माध्यम से भाजपा सरकार की नाकामियों के प्रति लोगों को जागरुक किया जाएगा। यह सभी वाहन प्रतिदिन कुरवाई विधानसभा क्षेत्र के कौने-कौने में घूमेंगे और लोगों को भाजपा की जनविरोधी नीतियों के बारे में जानकारी देंगे।

इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता, जिला पंचायत सदस्य रानी अहिरवार गगनेंद्र रघुवंशी, सुनील बोरसे, लक्ष्मण सिंह गुर्जर, मोहर सिंह दांगी, ब्रज महाराज, सुधीर उपाध्याय, गोविंद सिंह दांगी, गिरजेश साहू, शिव नारायण दुबे, इरफान काजी, वीरेंद्र दांगी सरपंच, बृजेश तिवारी, राजेंद्र बिशनपुर, अनवर पटेल, योगेश राठौर, रामबाबू श्रीवास्तव, रामसरण ठाकुर, प्रदीप रघुवंशी, मनोज रघुवंशी, भूरा रघुवंशी आदि मुख्य रुप से मौजूद थे।वाहनों को रवाना करने से पूर्व मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार ने कहा कि भाजपा सरकार लोगों को बुनियादी सुविधाएं देने में पूरी तरह से नाकाम साबित हुई है और भाजपा की योजनाएं कागजों तक ही सीमित है। अहिरवार ने कहा कि 'सरकार मस्त-जनता त्रस्त' की परिभाषा बताते हुए कहा कि बीते विधानसभा चुनावों में जनता को बरगलाकर भाजपाईयों ने वोट हथिया लिए जाते रहे हैं।

मृदुल सक्सेना बने बैडमिंटन राष्ट्रीय खिलाड़ी, राष्ट्रीय स्तर पर लहराया परचम जीता सवर्ण पदक

बबलू निरापुरे, नर्मदा समय

आमला। यूथ एंड स्पोर्ट्स डेवलपमेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वाधान में जम्मू यूनिवर्सिटी में आयोजित तीन दिवसीय छटवी राष्ट्रीय चेम्पियन शिप में आमला के केंद्रीय विद्यालय के कक्षा 12वी में अध्ययनरत मृदुल सक्सेना वर्मा ने अंडर 17 में बैडमिंटन प्रतियोगिता में जीत हासिल कर गोल्ड मेडल जीता है।

गौरतलब होगा की 19 मई से 21 मई तक जम्मू यूनिवर्सिटी में आयोजित नेशनल स्पोर्ट्स कॉम्पिटिशन में 26 राज्यो के खिलाड़ियों ने भाग लिया। जिसमे क्रिकेट, व्हालीबाल, बैडमिंटन सहित लगभग 25 तरह के खेल प्रतियोगिता थी जिसमे मध्यप्रदेश से प्रतिभागी बने बैडमिंटन अंडर 17 के मृदुल सक्सेना वर्मा ने सिंगल तमिलनाडु के साथ प्रतियोगिता में जीत हासिल कर गोल्ड मेडल प्राप्त किया ।दिनांक 23 मई को जम्मू से आमला वापसी पर रेलवे स्टेशन पर मृदुल का स्टेशन प्रबंधक वी के पाल सहित गणमान्य नागरिकों सहित अंतराष्ट्रीय बजरंग दल विश्व हिंदू परिषद संघठन के कार्यकर्ताओं द्वारा पुष्प गुच्छ भेट कर फूल माला पहनाकर सम्मानित कर बाजे गाजे के साथ भव्य स्वागत किया वही दिल्ली से नागपुर दक्षिण एक्सप्रेस ट्रेन से जा रहे राष्ट्रीय बजरंग दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज सिंह द्वारा मृदुल सक्सेना को आशीर्वाद देकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की।इस उपलब्धि पर मृदुल ने बताया उनकी माँ श्रुति सक्सेना रेलवे में ट्रेन मैनेजर के पद पर कार्यरत है और नोकरी के साथ सामाजिक जनहित के कार्यो के लिए तत्तपर रहती है और उन्होंने ही पढ़ाई के साथ स्पोर्टस के लिए मार्गदर्शित किया साथ ही कोच रोशन पटवारी द्वारा अच्छा प्रशिक्षण दिया गया। जिसके चलते उन्होंने बैडमिंटन में नैशनल अंडर 17 में गोल्ड मेडल का खिताब जीता। अंतराष्ट्रीय बजरंग दल संघठन के संजू यादव ने बताया मृदुल सक्सेना वर्मा द्वारा नेशनल प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल का खिताब जीतकर छेत्र का नाम रोशन किया है इस उपलब्धि पर सन्गठन द्वारा उन्हें सम्मानित कर शुभकामनाएं दी गई है ।वही कक्षा 9 वी के छात्र दक्ष परते ने क्रिकेट में अपने बेहतर प्रदर्शन से स्वर्ण पदक जीता जिस पर केपिटल पब्लिक इंग्लिश स्कूल के संचालक बलबंत देशमुख,प्राचार्य राजेश चौकीकर ने बधाई दी।

टीकमगढ़ एसपी की मानवीय पहल जरूरतमंद को किया रक्तदान

नर्मदा समय

टीकमगढ़। पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने आज अपने सामाजिक दायित्व का भी निर्वाहन किया। जिला अस्पताल में एक महिला को खून की कमी होने पर सूचना मिलते ही उन्होंने चिकित्सालय पहुंचकर रक्तदान किया। साथ ही उन्होंने लोगों से भी इसके लिये अपील की।

उल्लेखनीय है कि जिला अस्पताल में दो महिलाओं को ए पॉजीटिव ब्लड की जरूरत थी। एक महिला के पति की हालत रक्तदान करने की नहीं थी तो दूसरे के परिजनों का ग्रुप मैच नहीं कर रहा था। ऐसे में रक्तदान का काम करने वाली संस्था ईशानिका मेमोरियल फांउडेशन को इसकी सूचना दी गई। सूचना मिलते ही फाउंडेशन के सौरभ जैन पाली ने अपने ग्रुप के ए पॉजीटिव ब्लड ग्रुप वालों को इसकी सूचना दी।

इसकी जानकारी एसपी श्री रोहित काशवानी को हुई, तह उन्होंने जिला अस्पताल पहुंचकर रक्तदान किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान की प्रेरणा उन्हें अपने पिता जी एवं मामा जी से मिली है। वह हमेशा ही लोगों की मदद के लिए रक्तदान करते थे। वहीं रक्तदान को लेकर आज भी लोगों के मन में तमाम प्रकार की भ्रांतियों के प्रश्न को लेकर एसपी काशवानी का कहना था कि रक्तदान से कमजोरी आती है या शरीर में खून की कमी हो जाती है, यह सब खोखली भ्रांतियां है। रक्तदान करने से ऐसा कुछ नहीं होता है, बल्कि नया खून बनने से शरीर और अच्छा होता है। उन्होंने लोगों से इन भ्रांतियों को दूर करते हुए जरूरत पडऩे पर रक्तदान करने की अपील की।

प्रेरित होकर युवा ने किया रक्तदान

एसपी काशवानी द्वारा किये गये रक्तदान से प्रेरित होकर तत्काल ही ईशानिका मेमोरियल के कार्यकर्ताओं के साथ जिला अस्पताल पहुंचे अविनाश दीक्षित ने भी अपना पहला रक्तदान किया। एसपी के रक्तदान करने पर मरीज के परिजनों ने उनका अभार जताया।

ग्राम पंचायत कुण्डी में सीसी रोड निर्माण के लिए किया भूमि पूजन

शाहपुर। जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत कुण्डी में सीसी रोड भूमि पूजन किया गया ।सीसी रोड का शासकीय प्राथमिक शाला नवरनढाना से रेलवे पुलिया तक 300 मीटर तक बनाया जाएगा, जिसकी लागत 10 लाख रुपए है, भूमिपूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जनपद सदस्य सरस्वती देवराज धुर्वे, विशिष्ट अतिथि सरपंच वीरेंद्र सिंह उइके , पत्रकार नवील वर्मा, पंच गरीबदास कोगाहे, पंच अरुण मालवीय, पंच अर्चना तेकाम, पंच उर्मिला धुर्वे, पंच राधा मर्सकोले, सुरत उइके, एवं सचिव भुपेंद्र वर्मा आदि भारी संख्या में उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाया।

विश्वविख्यात गायक कन्हैया मित्तल को छायाचित्र भेंट कर किया सम्मान

बबलू निरापुरे नर्मदा समय/आमला। हारे का सहारा कहलाने वाले बाबा श्याम के दरबार राजस्थान के सीकर जिले में स्थित खाटू धाम में चल रही। मासिक पद यात्रा रिंगस से खाटू तक जो की थेलीसिमिया पीड़ित बच्चों के अरदास के लिए रिंगस से खाटू 17 किलोमीटर तक श्याम के लाडले चंडीगढ़ निवासी विश्विख्यात गायक कन्हैया मित्तल द्वारा पैदल पद यात्रा निकाली जा रही है। जिसमे हर राज्य व प्रमुख स्थानों से श्याम प्रेमी बड़ी संख्या में शामिल थे ।वही आमला नगर के श्याम प्रेमी सुमित महतकर भी इस पद यात्रा में शामिल हुए साथ ही कन्हैया मित्तल से मुलाकात की और उन्हे सुंदर छाया चित्र भेट कर उनको सम्मानित किया और उन्हे आमला नगर की पावन धरा पर श्याम बाबा का कीर्तन करने का आग्रह किया ।साथ ही नगर के प्रतिष्ठित व्यापारी श्यामप्रेमी रोशन सिंह सलूजा ने बताया की बहुत जल्द आमला में बाबा का भव्य कीर्तन होगा जिसमे गायक कन्हैया मित्तल साहब अपने भजनों को प्रस्तुत करेंगे हालाकी अभी कार्यक्रम की तिथि व स्थल का चयन हुआ नही है बहुत जल्द ही तिथि का होगा चयन।

आमला नगर कांग्रेस सेवादल की कार्यकारिणी हुई घोषित, कन्हैया साहू बने कोषाध्यक्ष

बबलू निरापुरे, नर्मदा समय

अमला। अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष लाल जी देसाई एवं मध्य प्रदेश कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष योगेश यादव की सहमति से एवं मध्य प्रदेश शासन के पूर्व पीएचई मंत्री एवं मुलताई के विधायक सुखदेव पांसे तथा पूर्व प्रत्याशी आमला सारणी विधानसभा क्षेत्र के मनोज मालवे एवं विधानसभा प्रभारी जितेन्द्र शर्मा के अनुशंसा पर नगर कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष विजेंद्र भावसार द्वारा आमला में सेवादल की नगरीय इकाई का गठन निम्नानुसार किया गया।

जिनमें बोडखी, रेलवे कॉलोनी, भीम नगर क्षेत्र में मंडल अध्यक्ष दिलीप ढोमने एवं गंज, बस्ती, गोविंद कॉलोनी, मंगल भवन क्षेत्र मंडल अध्यक्ष योगेश (गोलू)डागरे को बनाया गया सेवादल नगर उपाध्यक्ष पद पर रवि घाणेकर, खेमचंद मदान, राजेश राठौर, प्रकाश कोष्टि, कमलेश पवार, मनोज प्रजापति, कोषाध्यक्ष कन्हैया साहू ,मीडिया प्रभारी प्रदीप बावने, सचिव हेमराज कनोजे ,सह सचिव कमलेश मकोड़े, अमित बेले, राजेश ठाकुर प्रवक्ता प्रमोद सेठिया एवं वार्ड क्रमांक 1 में प्रभारी सीतेश सोनी, सोनू अतुलकर वार्ड क्रमांक 2 में प्रभारी गणेश वराठे वार्ड क्रमांक 3 में बबलू भाले , वार्ड क्रमांक 4 उमेश देशमुख, वार्ड क्रमांक 5 कन्हैया विजयकर, वार्ड क्रमांक 6 मोहम्मद सलीम, वार्ड क्रमांक 7 राजू टिकारे, वार्ड क्रमांक 8 प्रभाकर उबनारे, वार्ड क्रमांक 9 में प्रकाश वार्ड क्रमांक 10 में अरविंद शर्मा, वार्ड क्रमांक 11 में ओम शेसकर, वार्ड क्रमांक 12 में वसंत पाल, शैलेश मोखड़े , वार्ड क्रमांक 13 में बिहारी डोंगरे, हीरा गढ़वाल वार्ड क्रमांक 14 में विट्ठल राव देशमुख वार्ड क्रमांक 15 में मनीष बचले, वार्ड क्रमांक 16 में राजा अडभूते, मुकेश डडारिया वार्ड क्रमांक 17 में गिरधर कोकाटे, संजय मालवीय वार्ड क्रमांक 18 में अप्पू बरथे, राजेश ठाकुर को नियुक्ति पत्र कांग्रेस सेवादल जिला अध्यक्ष अनुराग मिश्रा, प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि मनोज मालवे, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मनोज देशमुख, विधानसभा प्रभारी जितेंद्र शर्मा, नगर अध्यक्ष विजेंद्र भावसार द्वारा प्रदान किए गए कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष अनुराग मिश्रा द्वारा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ द्वारा अपने वचन पत्र में नारी सम्मान योजना,100 रू में 100 यूनिट बिजली 500 रु में गैस सिलेंडर किसानों का कर्ज. माफ एवं पुरानी पेंशन योजना लागू करने आदि के विस्तार से सेवादल के पदाधिकारियों को बताया एवं इसे जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया विधानसभा प्रभारी जितेंद्र शर्मा द्वारा अपने संबोधन में कहां कांग्रेस सेवादल एक ऐसा दल है जो राजनीतिक, धार्मिक एवं सामाजिक सभी क्षेत्रों में कार्य करता है इसे ऐसा समझे कि आमला विधानसभा में ओलावृष्टि हुई और किसानों की फसल बर्बाद हुई तो सेवा दल ने आंदोलन एवं उपवास रखकर किसानों की हित की लड़ाई लड़ी और 15 दिवस के भीतर सरकार को झुकना पड़ा और किसानों को मुआवजा देना पड़ा, सामाजिक रूप से सेवा दल द्वारा जब लंबी वायरस बीमारी गौमाता पर फैली थी तो सेवादल के ग्रामीण क्षेत्र के सभी कार्यकर्ताओं ने वैक्सीन का इंतजाम करके गौमाता के लिए वैक्सीन उपलब्ध कराकर उनका इलाज किया और उन्हें वैक्सीन लगवाई, धार्मिक रूप से सेवा दल द्वारा ओलावृष्टि और असमय बारिश को देखते हुए मां रेणुका धाम छावला में चुनरी चढ़ाई एवं माता से प्रार्थना की कि क्षेत्र की खुशहाली और समृद्धि के लिए मां अपनी कृपा करें और क्षेत्र के किसानों को इस प्राकृतिक आपदा से बचाएं । नगर अध्यक्ष विजेंद्र भावसार द्वारा कांग्रेस पार्टी की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने के लिए सभी पदाधिकारियों को कार्य योजना बनाकर एक साथ मिलकर घर-घर तक दस्तक अभियान चलाने की बात कही कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सेवादल पदाधिकारियों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बढ़ई चाल बल्ला चल क्षेत्र में जल्द बनेगा मोक्ष धाम : पार्षद कुमारी खुशबू

बबलू निरापुरे, नर्मदा समय

अमला। वार्ड क्रमांक 9 की पार्षद कुमारी खुशबू विजय अतुलकर ने बताया कि मेरे वार्ड क्रमांक 9 बढ़ाई चाल एवं बल्ला चाल क्षेत्र के रहवासियों द्वारा कई वर्षों से मोक्ष धाम निर्माण की मांग की जा रही थी यह क्षेत्र नगर से अलग होने के कारण और मोक्ष धाम से दूर होने के कारण इस क्षेत्र में किसी भी व्यक्ति की मृत्यु हो जाने पर परिजन और अन्य लोगों को बहुत अधिक परेशानियों का सामना उठाना पड़ता था।

जिसको देखते हुए मेरे द्वारा नगर पालिका अध्यक्ष नितिन गाडरे उपाध्यक्ष किशोर माथनकर लोक निर्माण विभाग सभापति रोहित हारोड़े मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं परिषद के नाम पत्र लिखकर इस क्षेत्र में मोक्षधाम निर्माण की मांग की गई थी जो आज पी आईसी की बैठक एजेंडे में अध्यक्ष द्वारा प्राथमिकता से जोड़ा गया और सर्वसम्मति से पास किया गया।

इस मोक्ष धाम निर्माण में शव दाह चबूतरा पानी हेतु ट्यूबेल बिजली व्यवस्था बैठक व्यवस्था एक हाल निर्माण और मोक्ष धाम पहुंच मार्ग बनाने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया है इसके लिए मैं मेरे और समस्त वार्ड क्रमांक 9 के रह वासियों की ओर से अध्यक्ष उपाध्यक्ष समस्त पार्षद गण नगर पालिका परिषद के मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं कर्मचारी को को बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूं आभार प्रकट करती हूं।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-प्रताप सिंह वर्मा के लिए ''दिशागोचर प्रकाशन'', 26बी, प्रेस काम्पलेक्स, एम.पी.नगर, जोन-1 भोपाल से मुद्रित एवं लाइफ लाइन भवन शिवराजपुरी कॉलोनी इटारसी जिला नर्मदापुरम 461111 म.प्र. इटारसी से प्रकाशित किया। नो :- सभी विवादों के लिए न्यायक्षेत्र नर्मदापुरम जिला न्यायालय रहेगा। मोबाइल नं.:-7974372722